1 इतनी शक्ति हमें देना दाता

– **अभिलाष**

यह एक प्रार्थना काव्य है। काव्य में ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि किसी भी परिस्थिति में किसीसे कोई भूल न हो। सब का जीवन उदात्त बने ऐसी मंगल कामना की गई है। किसी के प्रति बैर भावना या बदले की भावना मन में न रखकर सभी का जीवन मधुबन बने ऐसी भावना व्यक्त की गई है।

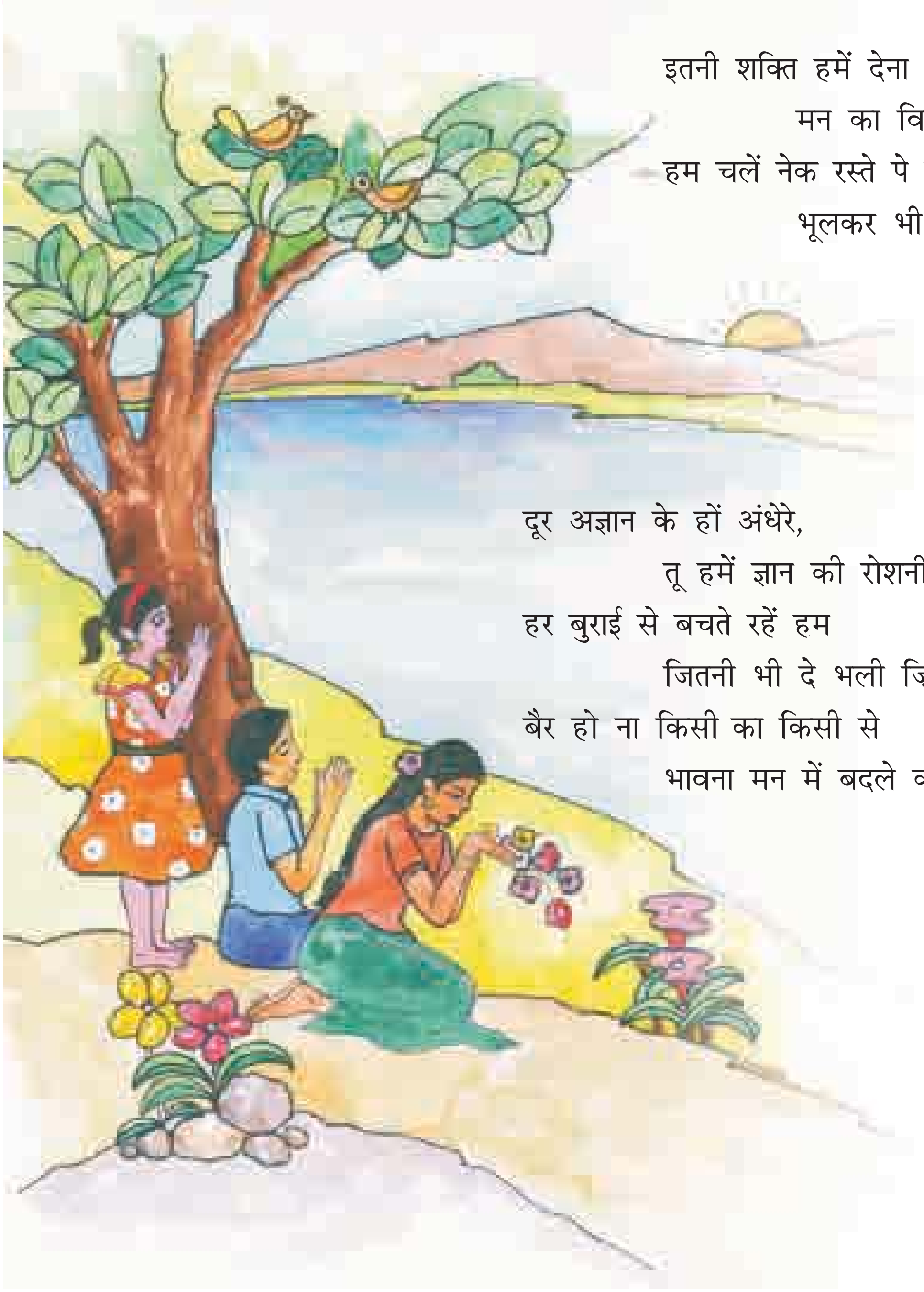

इतनी शक्ति हमें देना दाता!
मन का विश्वास कमज़ोर होना;
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे
भूलकर भी कोई भूल हो ना .....**इतनी**॰

दूर अज्ञान के हों अंधेरे,
तू हमें ज्ञान की रोशनी दे,
हर बुराई से बचते रहें हम
जितनी भी दे भली ज़िंदगी दे;
बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना .....**हम चलें**॰

हम न सोचें हमें क्या मिला है,
हम ये सोचें किया क्या है अर्पण,
फूल खुशियों के बाँटें सभी को
सबका जीवन भी बन जाये मधुबन;
अपनी करुणा का जल तू बहा के
कर दे पावन हर एक मन का कोना .....**हम चलें**

हम अँधेरे में हैं रोशनी दे,
खो न दें खुद को ही दुश्मनी से,
हम सज़ा पाएँ अपने किये की,
मौत भी हो तो सह लें खुशी से,
कल जो गुज़रा है फिर से न गुज़रे,
आनेवाला वो कल ऐसा हो ना .....**हम चलें**

हर तरफ जुल्म है, बेबसी है,
सहमा-सहमा-सा हर आदमी है,
पाप का बोझ बढ़ता ही जाए,
जाने कैसे ये धरती थमी है?
बोझ ममता से तू ये उठा ले,
तेरी रचना का ही अंत हो ना .....**हम चलें**

शब्दार्थ

विश्वास भरोसा **नेक** ईमानदार **रोशनी** प्रकाश **बेबसी** लाचारी **जुल्म** अत्याचार **भली** अच्छी **अर्पण** समर्पित **मधुवन** उपवन, बगीचा **पावन** पवित्र **सहमा-सा** डरा हुआ

अभ्यास

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) 'मन का विश्वास कमज़ोर हो ना' ऐसा कवि क्यों कहते हैं?
(2) धरती पर हर तरफ क्या है? क्यों है?
(3) हम जगत में क्या अर्पण करना चाहते हैं? क्यों?
(4) हम सभी को क्या बाँटना चाहते हैं? क्यों?
(5) 'सब का जीवन भी बन जाये मधुबन' का भावार्थ क्या है?

प्रश्न 2. नीचे दिए गए खाली स्थानों में उचित शब्द भरते हुए वाक्यों को पूरा कीजिए :

[क्योंकि, ताकि, और, कि, लेकिन, फिर भी, या]

(1) राधा पढ़ने में तेज़ है .... खेल में नहीं।

(2) रोहित बहुत तेज़ भागा .... वह गाड़ी पकड़ना चाहता था।

(3) सुरेश को बुखार था, ... वह स्कूल आया।

(4) मैं समझता हूँ .... वह क्या कहना चाहता है।

(5) आप चाय पसंद करेंगे .... कॉफी?

(6) मैंने सुबह ही पढ़ाई कर ली .... शाम को खेल सकूँ।

(7) अध्यापक रुक गए .... लड़के के बोलने की प्रतीक्षा करने लगे।

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषय के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए चर्चा कीजिए :

– बारिश होनी चाहिए या नहीं?

(1) बारिश होने से धरती हरी-भरी बनती है और खेत में अच्छी फ़सल होती है।

(2) बारिश होने से कीचड़ होता है, गंदगी फैलती है, बीमारियाँ बढ़ती हैं।

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार विशेषणों का उपयोग करके वाक्य बनाइए :

उदाहरण : कुछ – कुछ कपड़े गंदे हैं।

(1) सुंदर – ....

(2) चार – ....

(3) उसका – ....

(4) थोड़ा – ....

(5) लाल – ....

(6) तीसरा – ....

(7) पंद्रह – ....

प्रश्न 5. संयुक्ताक्षर से शब्द बनाकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : क् + क = क्क – धक्का – उसने मुझे धक्का मारा।

(1) च् + च – च्च – ....

(2) त् + त – त्त – ....

(3) न् + न - न्न - ....

(4) द् + ध - द्ध - ....

(5) द् + व - द्व - ....

(6) श् + व - श्व - ....

(7) ह् + य - ह्य - ....

(8) द् + म - द्म - ....

प्रश्न 6. इस काव्य को टेपरिकार्डर के माध्यम से अपनी कक्षा में सुनाइए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) हमें कैसे रास्ते पर चलना चाहिए? क्यों?

(2) आनेवाला कल कैसा होगा?

(3) हम ईश्वर से कैसी ज़िंदगी की कामना करते हैं?

(4) हमारे मन में कैसी भावना नहीं होनी चाहिए?

(5) हमें किसके बारे में सोचना चाहिए?

(6) हमारा मन पावन कैसे बनेगा?

(7) कविता में कैसा जल बहाने की प्रार्थना की गई है? क्यों?

(8) किसकी रचना का अंत नहीं होना चाहिए?

प्रश्न 2. उदाहरण के अनुसार समान तुकवाले (तुकान्त) शब्द लिखिए :

उदाहरण : लड़ाई - उतराई, कमाई, बुनाई, धुलाई, पढ़ाई, सिलाई...

(1) लताएँ - ....

(2) सुंदरता - ....

(3) ग्वालिन - ....

(4) लिखावट - ....

(5) सुनकर - ....

(6) चिड़ियाँ - ....

प्रश्न 3. नीचे दिए गए चित्र को देखकर चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए :

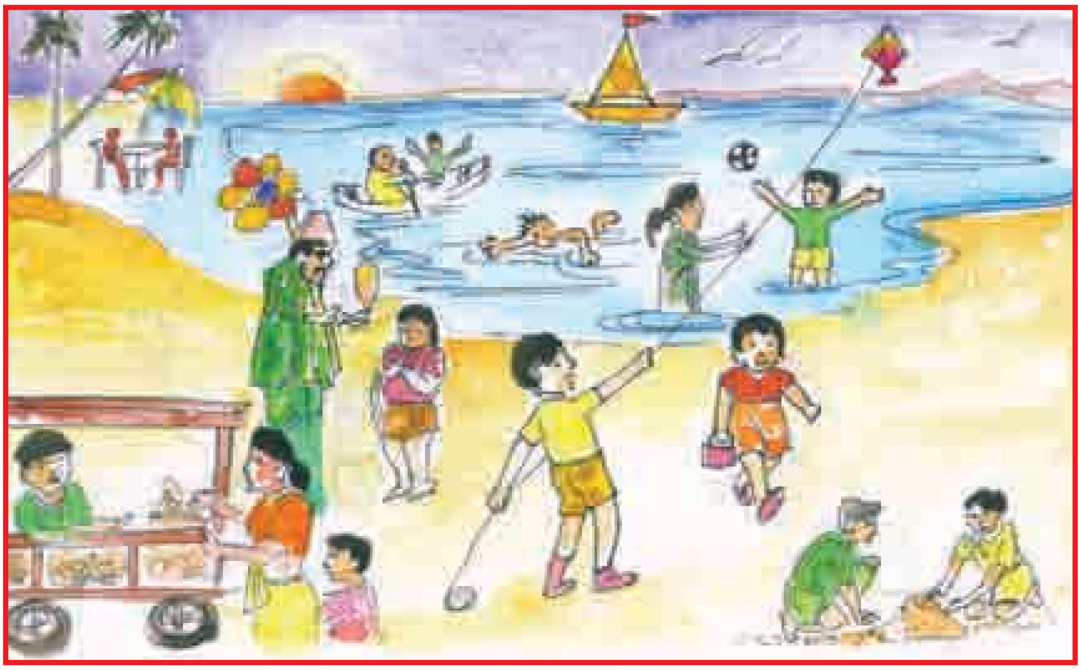

प्रश्न 4. निम्नलिखित परिच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

एक चिड़िया पेड़ पर रहती थी। उसका घोंसला पेड़ पर था। घोंसले में उसके तीन बच्चे थे। वह अपने बच्चों के साथ रहती थी। एक दिन एक शिकारी वहाँ आया। वह चिड़िया को मारना चाहता था। चिड़िया ने बच्चों को घोंसले में सिर नीचा कर बैठने को कहा। वह खुद वहाँ से उड़ गई और पत्तों में छिपकर बैठ गई। शिकारी चिड़िया को न देखकर वहाँ से चला गया।

प्रश्न 5. काव्य पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(1) बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना...।

(2) अपनी करुणा का जल तू बहा के
कर दे पावन हर एक मन का कोना...।

योग्यता विस्तार

- प्रस्तुत प्रार्थना 'अंकुश' फिल्म से ली गई है। यह फिल्म सन् 1986 में प्रसारित हुई थी। छात्रों को इस फिल्म के प्रार्थना वाले अंश को दिखाएँ ।
- भिन्न-भिन्न भाषाओं की प्रार्थना का संकलन कीजिए।

■